जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

बीकानेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 2200660 फैक्स : 0151-2527371 वर्षः 44 संख्याः 318 प्रभात बीकानेर, मंगलवार 13 जून, 2023 डाक प.स.बीकानेर/045/2020-22 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रू.

समूचे यूरेशिया में मिलने वाले यूरेशियन ईगल आउल को यूरोप में "उहू" या केवल ईगल आउल कहते हैं। यह उल्लू की सबसे बड़ी प्रजाति है जिसकी मादा 75 सैंटीमीटर तक लम्बी हो सकती है और उसके पंखों का फैलाव 6 फुट 2 इंच तक हो सकता है। नर मादा से कुछ छोटे होते हैं। इस पक्षी के कान के पास विशिष्ट प्रकार के बाल के गुच्छे होते हैं जो इसकी पहचान हैं। इन गुच्छों का ऊपरी भाग गहरा काला सा होता है। पंखों और पूंछ पर धारियां होती हैं और आँखें चमकती हुई नारंगी रंग की। यूरेशियन ईगल आउल कई हैंबिटैट्स में मिलते हैं, लेकिन पहाड़ी भागों में ज्यादा नज़र आते हैं, खासकर उन पहाड़ी भागों में जो जंगल, वैट लैण्ड आदि के पास होते हैं। इसके अलावा ये उल्लू शंकु वनों में भी पाए जाते हैं और कई बार खेतों तथा शहरों में पार्कों के आसपास भी रहते हैं। रोडैन्ट और खरगोश जैसे छोटे स्तनपायी जीव इनका मुख्य भोजन हैं, पर कई बार बड़े स्तनपायी, पक्षियों और मछली, मेंढक आदि को भी खाते हैं। ईगल आउल खड़ी चट्टानों के कगारों, सकरे गलीनुमा स्थानों, पत्थरों के बीच और अन्य छुपे हुए स्थानों पर प्रजनन करते हैं। इनके घोंसले में अधिकतर दो अण्डे होते हैं, जो मादा थोड़े -थोड़े अंतराल के बाद देती है तथा चूजे भी अलग-अलग समय पर अण्डे से बाहर निकलते हैं। मादा अण्डों को सेती है और नर भोजन की व्यवस्था करता है। नर -मादा दोनों ही करीब पांच महीनों तक चूजों की देखभाल करते हैं। उल्लू की सबसे बड़ी प्रजाति होने के साथ-साथ यूरेशियल ईगल आउल का विस्तार भी बहुत अच्छा है। यूरोप व एशिया में इनकी अच्छी खासी आबादी है, लगभग ढाई लाख से 25 करोड़ के बीच। इसीलिए इन्टरनैशनल यूनियन फॉर द कंज़र्वेशन ऑफ नेचर की लिस्ट में इन्हें "लीस्ट कंसर्न" (न्यूनतम चिंताजनक) वर्ग में रखा गया है। नारंगी आँखों के अलावा काली चोंच व काले पैंर इनकी पहचान हैं।

काफी सहानुभूति जागृत हुई ट्रम्प के पक्ष में

61 प्रतिशत अमेरिकी वोटर मानते हैं, ट्रम्प के बारे में उनके मन में जो छवि है, उसमें कोई कमी नहीं आयी है, न्यायालय द्वारा उनके खिलाफ आरोपों को लिपिबद्ध करने से

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 जून। अमेरिका दो विचारधाराओं में बंटा नज़र आ रहा है। आधे लोग सोचते है कि "गोपनीय दस्तावेजों" के कुप्रबंधन मामले में ट्रम्प को दोषी ठहराना राजनैतिक रूप से प्रेरित है। वही आधे लोगों का मत है कि पूर्व राष्ट्रपति पर मुकदमा चलाया जाना चाहिए। यह जानकारी ए.बी.सी. न्यूज़/आई.पी.एस. ओ.एस. सर्वे से मिली है।

सी.बी.एस./यू.गव. को एक पृथक रायशुमारी में 62 प्रतिशत लोगों ने कहा कि दोषी ठहराने के बाद भी ट्रम्प के प्रति उनकी राय नहीं बदली है। रायशुमारी में शामिल 14 प्रतिशत लोगों ने कहा इससे ट्रम्प के प्रति उनकी राय और बेहतर हुई है वहीं 7 प्रतिशत का मत है कि उनकी राय ट्रम्प के बारे में और बुरी हो गई है तथा 18 प्रतिशत ने इस पर कोई राय नहीं दी।

सी.बी.एस. सर्वे से पता चलता है कि वर्ष 2024 में रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रपति पद के प्रत्याशियों की बढ़ती भी इसे ट्रम्प का दबदबा बना हुआ है उनके पास 61 प्रतिशत के समर्थन है, वही उनके निकटतम प्रतिद्वंदी फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डीसैंटिस के पास 23 प्रतिशत लोगों का समर्थन है।

अमेरिका में रिपब्लिकन पार्टी या ट्रम्प के प्रति समर्थन तेजी से बढ़ रहा है। फ्लोरिडा के एक ग्रैंड जूरी द्वारा लगाए गए अपराधिक आरोपों के बाद रिपब्लिकन पार्टी के सांसद ट्रम्प के पक्ष में एकजुट होने लगे हैं। ट्रम्प पर आरोप है कि उन्होंने गोपनीय सरकारी दस्तावेज अपने मार-ए-लोगों के निवास पर रखे थे और लौटाने से मना कर दिया। रिपब्लिकन सांसदों का मत है कि यह आरोप राजनीति से प्रेरित है क्योंकि वे दोबारा राष्ट्रपति बनने की दौड़ में हैं।

साउथ कैरोलाइना के रिपब्लिकन सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने कहा कि मुझे लगता है कि ट्रम्प पहले के मुकाबले राजनैतिक रूप से ज्यादा मजबूत हो गए हैं। मैं आपको यकीन दिलाता हूँ कि अधिकांश अमेरिकन खास कर रिपब्लिकन मानते हैं कि कानून को ट्रम्प के खिलाफ हथियार की तरह प्रयुक्त किया जा रहा है। हाउस जूडिशिएरी कमेटी के चेयरमैन जिम जॉर्डन कहते हैं कि आरोप राजनैतिक हैं।

ओहायो के एक रिपब्लिकन ने कहा, यह एक योजना का अंग है, गत सात सालों में हम ऐसा कई बार देख चुके हैं। वे एक के बाद एक चाल चलते हैं। वे लगातार उनके पीछे पड़े हैं। मुझे लगता है कि जिसमें जरा भी अक्ल है वह इस बात को समझ सकता है।

ट्रम्प ने कहा है कि उन्होंने कुछ भी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- 14 प्रतिशत वोटर तो यहां तक कहते हैं कि, उनकी ट्रम्प के बारे में सोच में सकारात्मक वृद्धि हुई है, आरोपों के बाद।
- केवल सात प्रतिशत वोटर की भावना है कि, इन आरोपों के कारण उनकी ट्रम्प के बारे में राय खराब हुई है।
- अधिकांश लोग मानते हैं कि, राजनीतिक कारणों से ट्रम्प के खिलाफ न्यायालय ने आरोप लिपिबद्ध किये हैं।
- एक सिनेटर ने तो यह भी कहा कि, क्योंकि ट्रम्प ने दोबारा राष्ट्रपति पद के लिये अपनी उम्मीदवारी की घोषणा की है, उन पर ये आरोप लगाये गये, जिससे वे निरूत्साहित होकर चुनाव न लड़ें।
- एक अन्य रिपब्लिकन सिनेटर ने यह भी कहा कि, कानून को एक हथियार के रूप में काम लिया जा रहा है, ट्रम्प के खिलाफ।

प्रियंका गांधी ने विशाल रैली से चुनाव अभियान की शुरूआत की मध्य प्रदेश में

जबलपुर में आयोजित इस रैली में प्रियंका गांधी ने कर्नाटक की तर्ज पर, 500 रूपये में गैस सिलैण्डर, हर परिवार की एक महिला के खाते में हर महीने 1500 रू. जमा करवाने का वादा किया

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 जून। कांग्रेस ने आज मध्य प्रदेश में चुनाव प्रचार का शुभारम्भ कर दिया। जबलपुर में आयोजित एक बहुत बड़ी जनसभा को आज पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी ने संबोधित किया। सभा में उन्होंने वादा किया कि अगर कांग्रेस राज्य की सत्ता में आई तो प्रत्येक परिवार की एक महिला को 1500 रू. मासिक भत्ता दिया जायेगा।

सभा से पहले, उन्होंने जबलपुर में नर्मदा नदी के तट पर पूजा अर्चना की। मध्य प्रदेश कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष कमलनाथ एवं अन्य पार्टी नेता उनके साथ थे।

प्रियंका गांधी ने जबलपुर की सभा में कहा, "मध्य प्रदेश में हुये घोटालों की सूची अपशब्दों की उस सूची से भी लम्बी है, जो प्रधानमंत्री के अनुसार उनके खिलाफ बोले गए हैं।"

उन्होंने पूछा, "पिछले तीन सालों में भाजपा ने राज्य में क्या किया है? क्या आप में से कोई सज्जन यह कह सकते हैं कि वर्तमान सरकार के शासन काल मे आपका जीवन उन्नत हुआ है?"

हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक में पार्टी को हाल ही में मिली जीत का जिक्र करते हुए कर्नाटक में पार्टी को हाल कि दोनों राज्यों ने भाजपा को उसके अनुरूप जवाब दिया है।

जबलपुर महाकौशल क्षेत्र के मध्य में है। इस क्षेत्र में आदिवासी मतदाता अच्छी-खासी संख्या में है। इस नगर को मध्य प्रदेश की सांस्कृतिक राजधानी कहा जाता है।

कांग्रेस नेता विवेक तन्खा ने कहा कि प्रियंका ने पार्टी के चुनाव प्रचार के शुभारम्भ के लिये जबलपुर को इसलिये चुना क्योंकि राहुल गांधी की भारत

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- प्रियंका गांधी ने यह भी कहा कि, कांग्रेस वो सभी वादे पूरे करती है, जो चुनाव प्रचार के दौरान वह करती है।
- उन्होंने कर्नाटक का उदाहरण दिया, जहां कांग्रेस द्वारा चुनाव के दौरान दी गयी गारंटियों को पूरा करने के लिये, नये मंत्रिमण्डल की प्रथम बैठक में ही प्रस्ताव पारित किया गया एवं बजट देने की घोषणा भी की, गारंटियों को पूरा करने के लिये।

दिल्ली में बाइक टैक्सी पर बैन

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 जून। कैब कम्पनियों को झटका देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को साफ कर दिया कि फिलहाल दिल्ली में बाइक टैक्सी नहीं चल सकती है। सुप्रीम कोर्ट ने रैपिडो व उबर बाइक टैक्सी पर दिल्ली हाईकोर्ट के परमिट ऑर्डर को खारिज कर दिया है। हाईकोर्ट ने बाइक टैक्सी को अंतिम नीति बनाए जाने तक सर्विस देने की छूट दी थी।

आम आदमी पार्टी के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार ने दिल्ली हाईकोर्ट के 20 मई के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी जिसमें कहा गया था कि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली सरकार की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह फैसला दिया और दिल्ली सरकार के, बाइक टैक्सी पर बैन लगाने के आदेश पर दिल्ली हाई कोर्ट के स्टे ऑर्डर को रद्द कर दिया।

स्टालिन ने तमिलनाडू पर हिन्दी लादने का आरोप लगाया भाजपा पर

केन्द्रीय सरकार के विभागों व कॉरपोरेशन्स में हिन्दी का उपयोग होने को अनुचित बताया स्टालिन ने

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 जून। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने एक बार फिर भाषा का मुद्दा उठाया है। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा तमिलनाडु की जनता से 25 सीटें जिताने का आशीर्वाद मांगने के बाद एक कठोर बयान में स्टालिन ने राज्य की जनता पर हिंदी भाषा थोपने के केन्द्रीय एजेंसियों के तहत प्रयासों की निंदा की।

इस बार स्टालिन का यह बयान सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी न्यू इंडिया एश्योरैंस कंपनी के एक सर्कुलर की वजह से आया है। उन्होंने कहा कि इसमें कंपनी के गैर हिंदी भाषी लोगों का अपमान किया है क्योंकि सर्कुलर हिंदी में है। स्टालिन ने कहा कि सर्कुलर तुरंत वापस लिया जाना चाहिए। स्टालिन ने कंपनी की चेयरमैन नीरजा कपूर से कहा कि गैर हिंदी भाषी लोगों का अपमान करने के लिए उन्हें क्षमा मांगनी चाहिए।

इस बार हिंदी विरोध का अपना दायरा बढ़ाते हुए स्टालिन ने कहा कि केन्द्र सरकार और सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियां और पब्लिक सैक्टर कंपनियां पक्षपात कर रही है और अन्य भारतीय भाषाओं की कीमत पर हिंदी को अनुचित महत्व दे रही है। हिंदी थोपने के खिलाफ विरोध के स्वर कर्नाटक एवं पश्चिम बंगाल में भी सुने जा रहे हैं।

स्टालिन ने हिंदी थोपे जाने के खिलाफ संघर्ष करने की शपथ ली और कहा कि वो दिन गए, "जब भारत के गैर हिंदी भाषी नागरिकों के साथ दूसरे दर्जे का व्यवहार किया जाता था। अपनी मेहनत और प्रतिभा से देश के विकास में शानदार योगदान देने के बाद भी उन्हें यह सब सहना पड़ता था। सर्कुलर पर सभी का ध्यान खींचते हुए स्टालिन ने यह ट्वीट किया।

स्टालिन ने अपने ट्वीट में कहा कि तमिलनाडु व द्रमुक अपने दायरे में रहकर हिंदी थोपे जाने का विरोध करने की पूरी कोशिश करेगा। हिंदी को केन्द्र सरकार के विभागों, जैसे रेल्वे, डाक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- स्टालिन ने कहा कि, हम दक्षिण भाषी मेहनत करते हैं, देश की समृद्धि में भारी योगदान करते हैं और हमें अपनी संस्कृति, भाषा, रीति-रिवाजों पर गर्व है, अतः यदि तमिल भाषा की अवहेलना कर, हिन्दी लादने का प्रयास किया, केन्द्रीय भाजपा सरकार ने, तो यह बर्दाश्त नहीं किया जायेगा।

कुश्ती संघ के चुनाव 4 जुलाई को?

नई दिल्ली, 12 जून। इंडियन ओलम्पिक ऑर्गनाइजेशन (आई.ओ.ए.) ने रैसलिंग फैडरेशन ऑफ इंडिया (डब्ल्यु.एफ.आई.) के चुनाव चार जुलाई को कराने की योजना तैयार की है और इसके लिए जम्मू-कश्मीर उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश महेश मित्तल कुमार को निर्वाचन अधिकारी नियुक्त किया है। खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने सात जून को आंदोलनकारी पहलवानों के साथ मुलाकात के बाद कहा था कि डब्ल्यू.एफ.

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- इंडियन ओलम्पिक ऑर्गनाइजेशन (आई.ओ.ए.) ने इसके लिए जम्मू-कश्मीर उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश महेश मित्तल कुमार को निर्वाचन अधिकारी नियुक्त किया है।

दिवंगत जयललिता को अप्रत्यक्ष रूप से भ्रष्टाचार में लिप्त बताना, भारी पड़ेगा भाजपा को?

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष की इस टिप्पणी से अन्नाद्रमुक के नेता आक्रामक मुद्रा में आये

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 जून। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अपने पार्टी पदाधिकारियों के साथ हुई जोशो-खरोश से भरी अपनी बातचीत में, उनमें नये प्राण फूँकने तथा प्रेरित करने की कोशिश की थी तथा एन.डी.ए. गठबंधन के लिये तमिलनाडु से 25 सीटों का कठिन लक्ष्य उनके समक्ष रखा था, लेकिन लोकसभा आम चुनावों से पहले ही तमिलनाडु के भाजपा-प्रमुख के. अन्नामलाई ने अपने बयानों से अन्नाद्रमुक में खलबली पैदा कर दी है।

पूर्व मंत्री एवं वरिष्ठ अन्नाद्रमुक के नेता डी. जयकुमार ने कहा कि केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह या भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा इसका स्पष्टीकरण दें, अन्यथा अन्नाद्रमुक के गठबंधन में बने रहन के विषय में पुनर्विचार करने के लिये बाध्य होगी।

दोनों गठबंधन पार्टनरों के बीच पैदा हुये इस विवाद से कुछ समय पहले ही, केन्द्रीय गृह मंत्री ने वैल्लोर में आयोजित एक जनसभा में तमिलनाडु के मतदाताओं से अपील की थी कि वे इस राज्य से एन.डी.ए. को 25 सीटें मिलने का आशीर्वाद दें।

लेकिन तमिलनाडु के भाजपाध्यक्ष के अन्नामलाई ने एक प्रतिष्ठित अखबार को दिये गये इन्टरव्यू में भ्रष्टाचार पर प्रहार करते हुये, दोनों द्रविड़ पार्टियों के एक ही डंडे से हाँक दिया। "द्रमुक फाइल्स" के सीक्वल का वादा करते हुये, भाजपा नेता ने कहा कि इसकी विषयवस्तु में अन्य पार्टियों के भ्रष्टाचार के मामले में शामिल होंगे।

इन्टरव्यू में अन्नाद्रमुक का जिक्र करते हुये उन्होंने जो विस्तार सहित कहा, उससे राज्य में भाजपा को सबसे बड़ा और सबसे मजबूत मित्र दल नाराज़ हो गया है। ज्ञातव्य है कि इस राज्य की राजनीति एवं चुनावों में भाजपा की सफलता अन्नाद्रमुक के साथ गठजोड़ पर निर्भर है। तमिलनाडु में, सदैव ही ऐसा रहा है कि जीत का दारोमदार उसी द्रविड़ पार्टी पर निर्भर होता है जो राजनैतिक ताकतों से सर्वाधिक जिताऊ गठबंधन का हिस्सा होती है। और इस परम्परा के अन्तर्गत, इस समय द्रमुक उस सर्वाधिक स्थिर गठबंधन में शामिल है जिसकी मुख्य पार्टनर कांग्रेस है।

जे. जयललिता के निधन के बाद अन्नाद्रमुक कमजोर हो गई है जिसके कुछ नेता या तो उससे अलग हो गये हैं या पूर्व मुख्यमंत्री इडापड्डी पलानीस्वामी की अध्यक्षता वाली अधिकृत पार्टी में परस्पर लड़ते-झगड़ते रहते हैं। लेकिन, इस समय कमजोर होने के बावजूद, अन्नाद्रमुक के आज भी राज्य की ऐसी सर्वाधिक मजबूत पार्टी है जो उस द्रमुक का सामना कर सकती है, जिसने 2019 के आम चुनावों से लेकर अब तक, सारे चुनावों में इकतरफा जीत हासिल की है। ज्ञातव्य है कि द्रमुक ने लोकसभा चुनावों में, तमिलनाडु की 39 सीटों में से एक के अलावा सभी सीटों पर विजय प्राप्त की थी। कुछ महीने पहले हुये नगरपालिका चुनावों में भी द्रमुक की इकतरफा जीत हुई है।

ऐसे परिदृश्य में, तमिलनाडु के भाजपा अध्यक्ष अन्नामलाई ने अन्नाद्रमुक को नाराज़ कर दिया है तथा दोनों गठबंधन-पार्टनरों के बीच का तनाव और भी बढ़ गया है। ज्ञातव्य है कि कुछ समय पहले दोनों गठबंधन

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- तमिलनाडू की अजीबोगरीब फितरत यह है कि, दोनों द्रविड़ राजनीतिक दलों में से एक को पार्टनर बनाना आवश्यक हो गया है, राष्ट्रीय स्तर की पार्टियों के लिये।
- कांग्रेस व डी.एम.के. का गठबंधन इस सत्य का सजीव उदाहरण है।
- अतः अगर भाजपा ने अन्नाद्रमुक पार्टी को रूष्ट कर दिया तो, भाजपा की अकेले तमिलनाडू में चुनाव लड़ने की स्थिति आ सकती है।

कोविन ऐप से डेटा लीक?

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 जून। मीडिया में आई इन खबरों, कि "कोविन" प्लेटफॉम पर साइन करने वाले राजनेताओं व अन्य

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- आज दिनभर कोविन ऐप्स से नेताओं के डेटा लीक की खबरें छाई रहीं। तृणमूल कांग्रेस के एक नेता, साकेत गोखले ने अपने ट्विटर अकाउंट पर डेटा लीक के स्क्रीनशॉट्स शेयर किए। गोखले ने चिदम्बरम, के.सी. वेणुगोपाल और डैरेक' ओ ब्रायन व उनके परिजनों के डेटा लीक के स्क्रीनशॉट्स भी शेयर किए।